आई एस एस एन 0971-9873

आई सी एम आर पत्रिका

वर्ष-29, अंक-4 एवं 5

अप्रैल-मई, 2015

इस अंक में

- स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति भारत सरकार की कार्य योजना 37
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के समाचार 40
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक गतिविधियों में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों की भागीदारी 42
- आई सी एम आर की वित्तीय सहायता से सम्पन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशाला/पाठ्यक्रम/सम्मेलन 43
- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रकाशन 47

संपादक मंडल

अध्यक्ष — श्री भानु प्रताप शर्मा, सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग — डॉ विजय कुमार श्रीवास्तव

संपादक — डॉ कृष्णानन्द पाण्डेय

प्रकाशक — श्री जगदीश नारायण माथुर

स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रति भारत सरकार की कार्य योजना

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य की पहचान एक मानवाधिकार तथा सामाजिक कुशलक्षेम सुनिश्चित करने के लिए सामान्य कार्यवाही के रूप में की है। हम जानते हैं कि बेहतर स्वास्थ्य और आर्थिक वृद्धि के बीच एक अनुकूल संबंध है। हालांकि, भारत में आर्थिक वृद्धि दर 7 प्रतिशत होने के बावजूद ऐसी स्थिति नहीं देखी जाती। स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में अनुकूल परिणामों के लिए पूंजी निवेश के लिए नीतिगत उद्देश्य स्पष्ट होने चाहिए और बजट में स्वास्थ्य सुरक्षा को वरीयता दी जानी चाहिए। स्वास्थ्य सुरक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद (ग्रॉस डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) का 1 प्रतिशत व्यय पूर्णतया अपर्याप्त है। आर्थिक प्रगति में स्वास्थ्य की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि आबादी के स्वस्थ लोगों की आयु अधिक होती है, वे अधिक उत्पादक होते हैं। साथ ही आर्थिक बचत होती है। इसका मानव और आर्थिक पहलुओं पर बहुत प्रभाव पड़ता है। भारत में प्रति वर्ष सकल घरेलू उत्पाद का 6 प्रतिशत से अधिक व्यय असामयिक मृत्यु और ऐसी बीमारियों पर किया जाता है जिनसे बचा जा सकता है।

भारत में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं,1.2 बिलियन आबादी को किफायती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता नहीं है, वहीं भारत में सस्ती जेनरिक दवाइयां बनाने के बड़े-बड़े उद्योग हैं जो 100 से अधिक देशों को किफ़ायती दवाइयां निर्यात करते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य सुरक्षा से संबद्ध उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं और मेडिकल पर्यटन भी फल-फूल रहा है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के मूल-ढांचे में औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, उन्नत प्रयोगशाला सुविधाओं और उपकरणों का अभाव है, स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी है, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली पर धनराशि की उपलब्धता अपर्याप्त है (सकल घरेलू उत्पाद का 1.04% से कम), इसके अलावा स्वास्थ्य सुरक्षा वितरण प्रणाली का संतोषजनक नहीं होना भारतीय स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली की बाधाएं हैं। ये स्थितियां उपयुक्त और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में बाधक होती हैं।

भारत के राजनीतिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी नेतृत्व के परिणामस्वरूप नवाचार योजनाओं के माध्यम से नीतियां तैयार हुई हैं जो आबादी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बहुत उपयोगी साबित हुई हैं। वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में 1.57 लाख लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2000 और 2012 के बीच प्रति 1000 जीवित शिशु जन्म में मृत्यु दर 68 से घटकर 42 हो गई है। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रति वर्ष 12 से 13 करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रसव संबंधी सेवाएं सुनिश्चित की जा रही हैं और जिला अस्पतालों में 6 लाख से अधिक नवजात शिशुओं के लिए

नर्सरी सुरक्षा सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। देश से पोलियो का उन्मूलन कर दिया गया है। यह प्रोत्साहक तो है परन्तु पर्याप्त नहीं। प्रत्येक वर्ष 4 करोड़ से अधिक लोग, मुख्यतया ग्रामीण क्षेत्रों में, चिकित्सा के लिए भारी कर्ज में डूब जाते हैं। भारत में 52 प्रतिशत मौतों के पीछे असंचारी रोगों और दुर्घटनाओं (चोट लगने) का हाथ पाया जाता है। असंचारी रोगों के भार और उनके कारण होने वाली मौतों में वृद्धि होने की संभावना है। इसलिए, भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा में आमूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियों और खराब स्वास्थ्य के संसूचकों के विषय में जन स्वास्थ्य के विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाती है। भारत के इतिहास में पहली बार सभी प्रमुख राजनैतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता प्रदान की है। वर्तमान सरकार ने "राष्ट्रीय स्वास्थ्य एश्योरेंस मिशन (*नेशनल हेल्थ एश्योरेंस मिशन*, NHAM)" के साथ स्वास्थ्य सुरक्षा में आमूल सुधार लाने की दिशा में कार्यरत है। अन्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी नीतियों को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली में बदलाव लाने के लिए आगामी दशक के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। प्रस्तुत आलेख में भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों और भावी योजनाओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया गया है।

स्वास्थ्य सुविधाओं की सार्वजनिक उपलब्धता

इसका तात्पर्य सभी को आर्थिक भार रहित सर्वोत्तम प्रभावी और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणाली में तीन प्रमुख चुनौतियों में सम्मिलित हैंः सेवाओं तक पहुंच, उनकी उपलब्धता और सेवाओं को उपयोग में लाने का सामर्थ्य। इन तीनों के आधार पर चिकित्सा सेवाओं पर बहुत अधिक व्यय करना पड़ता है।

उत्तम स्वास्थ्य के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा किफायती एवं उच्च दर्जे की स्वास्थ्य सुविधाओं को विस्तारित करने के लिए सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य का विस्तार संस्थानगत किया जाना चाहिए। सार्वजनिक स्वास्थ्य विस्तार मॉडेल में सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा सेवाओं का एक बृहत् पैकेज उपलब्ध कराया जाना चाहिए तथा नैदानिकी, दवाइयां, वैक्सीनें अथवा शल्यक्रिया जैसी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और मान्यता प्राप्त निजी चिकित्सालयों तक पहुंच सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा निगम की स्थापना

भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा की पहुंच 70:70 के विरोधाभास से प्रभावित है। भारत में स्वास्थ्य पर किया जाने वाला 70 प्रतिशत व्यय लोगों द्वारा स्वयं वहन किया जाता है और उसका 70 प्रतिशत व्यय केवल दवाइयों पर किया जाता है जिनसे निर्धनता और कर्ज में डूबने जैसी स्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। सामर्थ्य से परे व्यय करने के परिणामस्वरूप प्रति वर्ष 4 करोड़ भारतीय गरीबी का शिकार हो जाते हैं। स्वास्थ्य अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य विस्तार का उद्देश्य बिना किफायती आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता के प्राप्त नहीं किया जा सकता। यदि सरकार द्वारा जेनेरिक दवाइयों की थोक में व्यवस्था की जाए और इन्हे सार्वजनिक चिकित्सालयों के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए तो लाखों भारतीयों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध हो सकती है। सरकार द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा निगम का गठन किया जाना चाहिए जिसका उद्देश्य जेनेरिक दवाइयों और शल्यक्रिया संबंधी साधनों को प्राप्त करना और उन्हें देश के सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को उपलब्ध कराना हो। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से औषधियों के निःशुल्क वितरण से नागरिकों में इस प्रकार की प्रणालियों के प्रति विश्वास बढ़ेगा। तमिल नाडु और राजस्थान में आवश्यक दवाइयों को केन्द्रीयकृत रूप में प्राप्त करने और उनको विकेन्द्रीकृत रूप में सार्वजनिक प्रणाली में वितरित करने के एक मॉडेल को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। इस पहल से दवाइयों की कीमत घटी है और जेनेरिक दवाइयों की निःशुल्क उपलब्धता हुई है। इस मॉडल में कुछ सुधार करके इसे अन्य राज्यों में भी कार्यान्वित किया जा सकता है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति और स्वास्थ्य अनुसंधान पर प्रमाण आधारित अधिक बल

निःसंदेह, प्रभावशाली स्वास्थ्य परिणामों में सुनियोजित स्वास्थ्य अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र की गतिविधियां सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं से मेल नहीं खातीं। नीति तैयार करने के लिए शोध को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाले राज्य के और ऑटोनॉमस संगठनों की भूमिका होनी चाहिए, जैसे कि संयुक्त राज्य अमरीका में *नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ* है। वास्तविक आंकड़ों के बिना हम संसाधनों का उपयुक्त आबंटन नहीं कर सकेंगे। सार्वजनिक स्वास्थ्य के सभी प्रमुख कार्यक्रमों और नीतियों का कड़ाई से मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। भारत में सभी के लिए स्वास्थ्य का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए सरकार को चाहिए कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की सहायता से जानकारी पर आधारित स्वास्थ्य सूचना प्रणाली तैयार करने तथा एक कार्य योजना तैयार करने के लिए सभी-प्रमुख शोध संस्थानों के बीच परस्पर सहयोग का एक परिवेश तैयार किया जाए।

इसके अंतर्गत शोध गतिविधियों को नीतियों एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के साथ अधिक से अधिक जोड़ने की आवश्यकता है। जिससे स्वास्थ्य अनुसंधान को स्वास्थ्य प्रणाली

और नीति के प्रति अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके। इसके लिए हमारे प्रयासों को शोध क्षमता निर्माण और शोध संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने पर केन्द्रित करने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य पर अधिक व्यय

हमारी स्वास्थ्य प्रणाली के सुचारु रूप से कार्य नहीं करने के पीछे मुख्यतया स्वास्थ्य सुरक्षा पर बहुत कम व्यय किए जाने का हाथ होता है। इसके कारण भारत में रोके जा सकने वाले रोगों का भार बहुत अधिक है जिससे परिवार निर्धनता की चपेट में आ जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में सेवाओं को बढ़ाने के लिए वित्तीय आबंटन बढ़ाना महत्वपूर्ण है जिससे जन सामान्य को सामर्थ्य से अधिक होने वाले व्यय से बचाया जा सके। इसके अलावा बेहतर मूल-ढांचा तैयार करना, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या बढ़ाना तथा आवश्यक दवाइयों को निःशुल्क उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। भारत में स्वास्थ्य पर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.2 प्रतिशत व्यय किया जाता है जो विश्व में सबसे कम है। इसलिए स्वास्थ्य पर होने वाले पब्लिक व्यय को बढ़ाकर वर्ष 2020 तक सकल घरेलू उत्पाद का 3.0 प्रतिशत तथा वर्ष 2025 तक 4.0 प्रतिशत किया जाना अपेक्षित है। हालांकि, जब तक वितरण प्रक्रिया को सुलभ एवं कुशल न बनाया जाए तब तक स्वास्थ्य पर केवल व्यय बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। स्वास्थ्य के संसूचकों को बेहतर बनाने के लिए केवल स्वास्थ्य पर व्यय में वृद्धि करना पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में कार्य, दक्षता और उत्तरदायित्व को बेहतर बनाने के लिए चिकित्सा के मानक दिशानिर्देश, प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट और गुणवत्ता आश्वासन विधियों को भी विकसित करने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन

भारत में स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधनों की गंभीर कमी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्टाफ की निरन्तर कमी बनी हुई है। राज्यों में 85 प्रतिशत विशेषज्ञ चिकित्सकों, 75 प्रतिशत चिकित्सकों, 80 प्रतिशत प्रयोगशाला तकनीशियनों, 53 प्रतिशत नर्सिंग स्टाफ और 52 प्रतिशत ANMs के पद रिक्त हैं। स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में धनराशि बढ़ाने पर भी पर्याप्त मानव संसाधन की अनुपस्थिति में उसका उपयुक्त उपयोग नहीं हो पाएगा। इसलिए, स्वास्थ्य प्रणाली में क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है। नीतियों के मार्गदर्शन तथा प्रक्रियाओं के संदर्भ में सभी समस्याओं से निपटने के लिए स्वास्थ्य हेतु राष्ट्रीय मानव संसाधन परिषद (*नेशनल काउंसिल फॉर ह्युमन रिसोर्स फॉर हेल्थ,* NCHRH) की स्थापना की जानी चाहिए। भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मानव संसाधनों के लिए एक बृहत् राष्ट्रीय नीति आवश्यक है।

प्राथमिक स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में चिकित्सकों और नर्सों की संख्या क्रमशः दो और तीन गुणा अधिक है। सभी को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से भारत के परिप्रेक्ष्य में ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विसेज़ (NHS) मॉडेल को अपनाने की आवश्यकता है। प्राथमिक स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि एक बहुत बड़ी संख्या में आबादी को इसकी जरूरत है और यदि इसे प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाए तो द्वितीयक और तृतीयक स्तर की सुरक्षा की जरूरत काफी अधिक घट जाएगी। इसके साथ-साथ सरकार को प्रभावी, कुशल और सतत नीतिगत इंटरवेंशन प्रयासों को अपनाकर शहरी निर्धन वर्ग के भी स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाने की नीति तैयार करनी चाहिए। स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ बनाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के ढांचे के अनुरूप सुधार लाने की आवश्यकता है जिसमें निम्नलिखित 6 महत्वपूर्ण स्थितियां सम्मिलित हैं:

(i) सेवा का वितरण;

(ii) स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की संख्या;

(iii) सूचना;

(iv) चिकित्सा उत्पाद और प्रौद्योगिकियां;

(v) वित्तीय व्यवस्था; और

(vi) नेतृत्व एवं शासन।

भारत में स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े पेशेवरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में केवल चिकित्सकों की सेवा और इसके लिए धनराशि में वृद्धि करना ही महत्वपूर्ण नहीं है। उत्तम स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए हमें सुरक्षित पेय जल, स्वच्छता, पोषण और शुद्ध परिवेश पर अधिक कार्यवाही करने की आवश्यकता है। कृषि से लेकर शहरी विकास जैसे अन्य क्षेत्रों को भी सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं के लिए उत्तरदायित्व निभाना चाहिए। भारत में केरल (सामाजिक निर्धारकों पर ठोस कार्यवाही के साथ) तथा तमिल नाडु (अपने दक्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के साथ) इसके रोल मॉडल्स हैं।

भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में धनराशि को बढ़ाने तथा स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। इसका कोई विकल्प नहीं है और इन क्षेत्रों को स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं की उपलब्धता, उनके वितरण को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेण्डा को केन्द्र में रखने की आवश्यकता है। भारत की सतत आर्थिक समृद्धि के लिए देश की आबादी का स्वस्थ रहना महत्वपूर्ण है। राजनैतिक इच्छा-शक्ति और प्रशासनिक दक्षता, पेशेवरों की कुशलता के साथ आगामी दशक में भारत के स्वास्थ्य में भारी बदलाव लाया जा सकता है।

यह लेख आई सी एम आर द्वारा प्रकाशित मासिक *'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च'* के फरवरी, 2015 अंक में डॉ महावीर गोलेछा, पब्लिक हेल्थ फाउण्डेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा *"हेल्थकेयर एजेण्डा फॉर दि इंडियन गवर्नमेंट"* शीर्षक से प्रकाशित *व्यू प्वाइंट* पर आधारित है। आलेख में व्यक्त विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के समाचार

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) के विभिन्न तकनीकी दलों/समितियों की नई दिल्ली में संपन्न बैठकें:

जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र की परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	6 अप्रैल, 2015
माइक्रोबियल रोगों पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	6-7 अप्रैल, 2015
राष्ट्रीय अशक्तता और पुनर्वास अनुसंधान नेटवर्क (NDRRN) के लिए तकनीकी विशेषज्ञ दल (TEG) की बैठक	7 अप्रैल, 2015
मूत्ररोगविज्ञान/वृक्करोगविज्ञान के क्षेत्र में परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	7 अप्रैल, 2015
प्रमाण आधारित शिशु स्वास्थ्य में उन्नत अनुसंधान हेतु आई सी एम आर केन्द्र पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक	8 अप्रैल, 2015
मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में MRC-UK परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	9 अप्रैल, 2015
क्षयरोग और बहुऔषध प्रतिरोधी (MDR/XDR-TB) के निदान हेतु स्वदेशी नैदानिक प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक	9 अप्रैल, 2015
जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञ दल की बैठक	9 अप्रैल, 2015
स्टेम सेल अनुसंधान एवं चिकित्सा हेतु राष्ट्रीय शीर्ष समिति (NAC-SCRT) की 13वीं बैठक	15 अप्रैल, 2015
जनजातीय स्वास्थ्य पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	20 अप्रैल,2015
टास्क फोर्स के अंतर्गत शोध योग्य क्षेत्रों को अंतिम रूप देने हेतु कोर समिति की बैठक	21 अप्रैल, 2015
ऑनलाइन एक्स्ट्राम्युरल प्री-प्रपोज़ल्स हेतु जांच समिति की बैठक	21 अप्रैल, 2015
राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान आधारित प्रौद्योगिकियों की कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत व्यापार योजनाओं की जांच हेतु बैठक	22 अप्रैल, 2015
आई सी एम आर नेटवर्क के सुधार हेतु जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र की बैठक	22 अप्रैल, 2015
लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर्स पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स की बैठक	23 अप्रैल, 2015
कैंसर प्रबंधन दिशानिर्देश की टास्क फोर्स परियोजना समीक्षा पर विशेषज्ञ दल की बैठक	23 अप्रैल, 2015
तीव्र कोरोनरी घटना के चिकित्सा प्रबंध पर राष्ट्रव्यापी पंजीकरण नेटवर्क (MACE) रजिस्ट्रीज़ की स्थापना हेतु पाइलट अध्ययन पर टास्क फोर्स दल की बैठक	24 अप्रैल, 2015
सीलियक रोग पर टास्क फोर्स परियोजना के विशेषज्ञ दल की बैठक	27 अप्रैल, 2015
सामाजिक निर्धारकों और विषम परिस्थितियों में बच्चों के चिकित्सा प्रबंध पर आमंत्रित प्रस्ताव पर बैठक	27 अप्रैल, 2015
स्वास्थ्य और रोग में प्रोटियोमिक्स पर टास्क फोर्स हेतु विशेषज्ञ दल की बैठक	27 अप्रैल, 2015
नेत्ररोगविज्ञान के क्षेत्र में परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	27 अप्रैल, 2015
आयुर्विज्ञान नवाचार योजना की बैठक	29 अप्रैल, 2015
हिमाचल प्रदेश के लाहोल एवं स्पीति क्षेत्र के अंतर्गत केलांग में आई सी एम आर फील्ड स्टेशन की स्थापना हेतु प्रक्रियाओं पर चर्चा करने हेतु बैठक	29 अप्रैल, 2015
पूर्वोत्तर में संचारी रोग अनुसंधान में प्रस्तावों हेतु द्वितीय आमंत्रण के अंतर्गत प्राप्त कांसेप्ट प्रस्तावों की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ दल की बैठक	29 अप्रैल, 2015

शिशु स्वास्थ्य पर परियोजना हेतु पुनरीक्षण दल की बैठक	30 अप्रैल, 2015
प्रोजेस्टेरॉन वैजिनल रिंग (PVR) के मूल्यांकन हेतु बैठक	30 अप्रैल, 2015
MD/MS थीसिस के लिए वित्तीय सहायता हेतु बैठक	1 मई, 2015
खिलौनों में भारी धातुओं और थैलेट्स की मात्रात्मक पहचान पर बैठक	5 मई, 2015
पूर्वपरिपक्वता के निवारण हेतु इंटरवेंशंस पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	5 मई, 2015
पूर्वचिकित्सीय अनुसंधान में स्वानों (डॉग्स) के प्रयोग के संबंध में वैकल्पिक परीक्षण के प्रयोग पर चर्चा करने हेतु विशेषज्ञ दल की बैठक	6 मई, 2015
स्टेम सेल अनुसंधान और थिरैपी हेतु राष्ट्रीय शीर्ष समिति (NAC-SCRT) की 11वीं उपसमिति की बैठक	6 मई, 2015
पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप - 11वां बैच के लिए चयन समिति की बैठक	7 मई, 2015
हृद्वाहिकीय रोग के क्षेत्र में परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	7 मई, 2015
जनजातीय आबादी में क्षयरोग नियंत्रण कार्यक्रम के विस्तार एवं उसे सुदृढ़ बनाने के लिए लक्षित इंटरवेंशन नामक परियोजना पर चर्चा करने हेतु बैठक	7 मई, 2015
पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (PDF)- 7वें एवं 9वें बैच की समीक्षा हेतु बैठक	8 मई, 2015
PCT गाइडलाइंस के राष्ट्रीय फेज़ एवं उसे अंतिम रूप देने हेतु PCT प्रयोगों की अंतर्राष्ट्रीय सर्च रिपोर्ट की जांच हेतु बैठक	8 मई, 2015
बायोबैंकिंग और डाटासेट्स के एथिकल पहलुओं पर विशेषज्ञ दल की बैठक	11 मई, 2015
वार्षिक एवं अंतिम रिपोर्ट की समीक्षा हेतु रोगवाहक जन्य रोगविज्ञान फोरम की परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	12 मई, 2015
जम्मू एवं कश्मीर के डोडा जिले के घडकई गांव में जन्मजात बधिरता पर टास्क फोर्स परियोजना पर बैठक	13 मई, 2015
जन्मजात कुरचना और आनुवंशिकी, मातृ स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, निम्न शिशु जन्म अनुपात तथा अन्य जेण्डर एवं स्वास्थ्य तथा महिलाओं से संबद्ध स्वास्थ्य समस्याओं पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	18 मई, 2015
जे ई वैक्सीन के विकास के लिए सीड उपभेद के हस्तांतरण हेतु राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान और HLL बायोटेक लिमिटेड के बीच सहमति ज्ञापन से संबद्ध पहलुओं पर चर्चा करने हेतु बैठक	20 मई, 2015
ऑन लाइन एक्स्ट्राम्युरल प्री प्रपोज़ल्स पर चयन समिति की बैठक	20 मई, 2015
ई सी डी प्रभाग के वैज्ञानिक सलाहकार दल की बैठक	21 एवं 22 मई, 2015
मानसिक, आघात और तंत्रिकाविज्ञानी विकारों पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	21 मई, 2015
कैंसर, पर्यावरणी स्वास्थ्य/व्यावसायिक स्वास्थ्य पर परियोजना पुनरीक्षण समिति की बैठक	25 मई, 2015
ट्रामाजन्य चोटों के लिए पंजीकरण हेतु टास्क फोर्स पर विशेषज्ञों और प्रमुख अंवेषकों की बैठक	26 मई, 2015
व्यापारिक उद्देश्यों से मानव जैविक सामग्री के हस्तांतरण हेतु आवेदनों के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक	26 मई, 2015
ई सी डी प्रभाग के अन्तर्गत फेलोशिप्स पर विशेषज्ञ दल की बैठक	28-29 मई, 2015
भोपाल पीड़ितों के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायलय द्वारा गठित सलाहकार समिति की 12वीं बैठक	29 मई, 2015

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक गतिविधियों में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिकों की भागीदारी

मुम्बई स्थित राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'जी' डॉ डोंटा बलैया और वैज्ञानिक 'सी' डॉ शहीना बेगम ने शोध पत्र लेखन, परियोजना विकास और प्रचार प्रयासों के नियोजन हेतु UCSD सैन डियागो, कैलीफोर्निया, सं.रा.अ. में शोध दल के साथ बैठक में भाग लिया (9-13 मार्च, 2015)।

नोएडा स्थित कौशिकी एवं निवारक अर्बुदशास्त्र संस्थान के निदेशक डॉ रवि मेहरोत्रा ने संयुक्त राज्य अमरीका में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (NCI) तथा NCI की वित्तीय सहायता में कैंसर केन्द्रों का दौरा किया और वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बैठक की (9-20 मार्च, 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक 'ई' डॉ सी.जी. राउत तथा मुम्बई स्थित आंत्रविषाणु अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक 'डी' डॉ वी.के. सक्सेना एवं रिसर्च असिस्टैंट श्रीमती उमा पी.नलवडे ने कोलम्बो, श्रीलंका में "SEAR पोलियो प्रयोगशाला नेटवर्क और राष्ट्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला के लिए बायो रिस्क प्रबंधन/ग्लोबल ऐक्शन प्लान - III कार्यान्वयन" पर आयोजित WHO कार्यशाला में भाग लिया (16-20 मार्च, 2015)।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान सांख्यिकी संस्थान की वैज्ञानिक 'डी' डॉ सरिता नायर और मुम्बई स्थित राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान की वैज्ञानिक 'सी' डॉ शाहीना बेगम ने अबू ढाबी, यू ए ई में तम्बाकू अथवा स्वास्थ्य पर 16वें विश्व सम्मेलन में भाग लिया (17-21 मार्च, 2015)।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ एस. के. शर्मा ने कोपेनहेगन, डेनमार्क में संपन्न idMALVAC परियोजना पर वार्षिक बैठक में भाग लिया (18-27 मार्च, 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान की वैज्ञानिक 'सी' डॉ ए.पोतदार ने बैंकॉक, थाइलैण्ड में संपन्न "इबोला विषाणु रोगों सहित अत्यंत रोगजनक संक्रामक रोगजनों से उत्पन्न रोगों के निवारण और नियंत्रण" पर WHO की क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया (23-25 मार्च, 2015)।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ अश्विनी कुमार ने लिऑन, फ्रांस में सम्पन्न "पोर्ट्स, हवाई अड्डों और चौराहों पर रोगवाहक निगरानी और नियंत्रण पर हैण्डबुक" से संबंधित WHO की बैठक में भाग लिया (24-25, मार्च 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ एम.एस. चड्ढा ने जेनेवा, स्विट्ज़रलैण्ड में संपन्न "वैश्विक इंफ्लुएंज़ा और रेसपांस सिस्टम (GISRS) प्लेटफॉर्म पर RSV की निगरानी पर WHO की अनौपचारिक परामर्शक बैठक" में भाग लिया (25-27 मार्च, 2015)।

राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ अश्विनी कुमार ने जेनेवा, स्विट्ज़रलैण्ड में डॉ रमन वेलयुधन, समन्वयक, WHO के साथ कार्य करने हेतु WHO की बैठक में भाग लिया (26 मार्च, 2015)।

हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान की वैज्ञानिक 'सी' डॉ सिल्विया फर्नांडीज़ राव ने मैरीलैण्ड/बोस्टन, सं रा अ में प्रोजेक्ट ग्रो स्मार्ट की उपलब्धियों की समीक्षा बैठक तथा संगोष्ठी की तैयारी करने (26-27 मार्च, 2015); और प्रायोगिक जैविकी सम्मेलन (28 मार्च, से 2 अप्रैल, 2015) में भाग लिया। (26 मार्च, 2015 से 2 अप्रैल, 2015)

मुम्बई स्थित राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'डी' डॉ दीपक मोदी ने कोना, हवाई, सं रा अ में संपन्न कशेरुकी लिंग निर्धारण पर 7वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया (13-17 अप्रैल, 2015)।

अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान के वैज्ञानिक 'ई' डॉ असीम साहा ने उलसान, कोरिया में संपन्न "एस्बेस्टॉस विश्लेषण पर WHO-WPRO/KOSHA फेलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम" में भाग लिया (13-18, अप्रैल 2015)।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'एफ' डॉ बी.एन. नागपाल ने पास्चर, पेरिस, फ्रांस में "दिल्ली में डेंगी के स्पेशियो-जानपदिक रोगविज्ञानी विश्लेषण" शीर्षक से सहयोगी अध्ययन पर कार्यशाला (14-15 अप्रैल, 2015), तथा अध्ययन के परिणामों पर चर्चा करने एवं विश्लेषण करने हेतु बैठक (16-18 अप्रैल, 2015) में भाग लिया। (14-18 अप्रैल, 2015)

अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान के वैज्ञानिक 'ई' डॉ अमित चक्रवर्ती ने होंग्झोउ चीन में संपन्न वैश्विक स्वास्थ्य मादक द्रव्य व्यसन विकार और एच आई वी के निवारण एवं इलाज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2015 में भाग लिया (22-24 अप्रैल, 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक 'सी' द्वय डॉ वाई.के. गुरव और डॉ जी.एम. सप्काल ने फ्लोरिडा, सं.रा.अ. में संपन्न "31वीं वार्षिक विषाणुविज्ञान संगोष्ठी-2015" में भाग लिया (23 अप्रैल से 1 मई 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक 'सी' डॉ अश्विनी शेटे ने बोस्टन, मसाचुसेट्स, सं रा अ में संपन्न "एच आई वी स्थायित्व की E1 प्रक्रियाएं-उपचार के लिए भावी प्रभाव" पर कीस्टोन संगोष्ठियों में भाग लिया (26 अप्रैल, से 1 मई, 2015)।

पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणुविज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ डी.टी. मौर्य ने जकार्ता, इण्डोनेशिया में संपन्न दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में विश्वमारी इंफ्लुएंज़ा की तैयारी फ्रेमवर्क के कार्यान्वयन पर WHO की क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया (27-29 अप्रैल, 2015)।

आई सी एम आर की वित्तीय सहायता से सम्पन्न एवं भावी संगोष्ठियां/सेमिनार/ कार्यशाला/पाठ्यक्रम/सम्मेलन

विषय	दिनांक एवं समय	सम्पर्क के लिए पता
हर्बल औषधि और हर्बल औषध प्रौद्योगिकी में नवीन प्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन	3-4 अप्रैल, 2015 काठोग (कांगड़ा)	**डॉ धमेन्द्र कुमार** लॉरिएट इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी काठोग (कांगड़ा)
वृक्कीय पोषण और चयापचय में उन्नत सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	4-5 अप्रैल, 2015 लखनऊ	**डॉ अनिता सक्सेना** संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ
खाद्य सुरक्षा : खेत से थाली तक खाद्य सुरक्षित रखने पर संगोष्ठी	6-7 अप्रैल, 2015 जोधपुर	**डॉ पंकज रवि राघव** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर
प्रोटियोमिक्स पर हैण्ड्स-ऑन-प्रशिक्षण कार्यशाला	6-9 अप्रैल, 2015 नई दिल्ली	**डॉ पूनम गौतम** राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान संस्थान नई दिल्ली
बंध्यता पीड़ा और घरेलू हिंसा : क्या सरोगेसी वास्तविक रूप से नैतिक है? पर सेमिनार	8-9 अप्रैल, 2015 पुडुचेरी	**डॉ रेबेका सैमसन** कॉलेज ऑफ नर्सिंग पॉण्डिचेरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ पुडुचेरी
अर्बुदविज्ञान नर्सिंग शोध में दक्षता बढ़ाने पर कार्यशाला	8-10 अप्रैल, 2015 तिरुवनंतपुरम	**सुश्री श्रीलेहा आर.** क्षेत्रीय कैंसर केन्द्र तिरुवनंतपुरम
WHO कोलम्बिया विश्वविद्यालय- AIIMS की एक संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय बैठक; ICD-10 के संशोधन; मानसिक एवं व्यवहारात्मक विकारों हेतु अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार दल की बैठक; तथा मानसिक स्वास्थ्य : लिंग युवा और सामाजिक न्याय पर संगोष्ठी	9-14 अप्रैल, 2015 नई दिल्ली	**डॉ प्रताप शरना** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली

आंसू से सहृयता : घरेलू हिंसा-एक मूक घातक पर सेमिनार	10-11 अप्रैल, 2015 एस बी एस नगर	**श्री रघुबीर सिंह** गुरुनानक मिशन इंटरनेशनल चैरिटएबल ट्रस्ट एस बी एस नगर (पंजाब)
प्रथम एनुअल नेशनल अण्डरग्रेजुएट फिजियोलॉजी एकेडमिक मीट - 2015 (ANUPAM-2015)	10-11 अप्रैल, 2015 करमसद (आनन्द)	**डॉ वसीम ए. शेख** प्रमुखस्वामी मेडिकल कॉलेज करमसद (आनन्द)
फार्मेकोविजिलेंस में क्लीनिकल फर्मेसिस्ट के प्रशिक्षण पर राष्ट्रीय सम्मेलन	10-11 अप्रैल, 2015 बैंगलोर	**डॉ गणेश एन.एस.** टी.जॉन फार्मेसी कॉलेज बैंगलोर
बायोमैटीरियल्स, प्राकृतिक पॉलीमर्स, बायोपालीमर्स, उनके कम्पोज़िट्स, नैनोकम्पोज़िट्स ब्लेण्ड्स IPNs पॉलीइलेक्ट्रोलाइट्स और जेल्सः मैक्रो टु नैनो स्केल्स पर 4th अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	10-12 अप्रैल, 2015 कोट्टायम	**डॉ नन्दाकुमार कलरिक्फल** महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कोट्टायम (केरल)
इंडियन एसोसिएशन ऑफ लेप्रोलॉजिस्ट्स (IAL) मध्यकालिक सम्मेलन	11 अप्रैल, 2015 सिकन्दराबाद	**डॉ पी. नरसिम्हा राव** भास्कर मेडिकल कॉलेज हैदराबाद
TROPICON 2015 ट्रॉपिकल न्युरोलॉजी सबसेक्शन ऑफ इंडियन एकेडमी का वार्षिक सम्मेलन	11-12 अप्रैल, 2015 नई दिल्ली	**डॉ एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव** तंत्रिकाविज्ञान विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
शल्यक्रियारहित शुक्रवहा उच्छेदन और पुरुष स्वास्थ्य पर 6th अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	13-16 अप्रैल, 2015 तिरुवनंतपुरम	**डॉ आर.सी.एम. काज़ा** NSV सर्जंस इंडिया (मेन सोसाइटी) दिल्ली
अर्बुदविज्ञान हेतु मेडिकल इमेजिंग और सूचनाविज्ञान पर सम्मेलन	16-17 अप्रैल, 2015 कोइम्बटूर	**डॉ एस. शांति** डॉ NGP प्रौद्योगिकी संस्थान कोइम्बटूर
होस्ट- माइक्रोब्स पारस्परिक क्रिया में उभरती प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन	17-18 अप्रैल, 2015 जलंधर	**डॉ नरेश सहजपाल** DAV विश्वविद्यालय जलंधर
भारतीय प्रतिरक्षाविज्ञान संस्था के परिप्रेक्ष्य में संक्रामक रोगों के विरुद्ध प्रतिरक्षा अनुक्रियाओं पर सी एम ई	17-18 अप्रैल, 2015 अगरतला	**डॉ सुरजीत भट्टाचार्जी** त्रिपुरा विश्वविद्यालय अगरतला (त्रिपुरा)
हेड एवं नेक कैडावरिक डिसेक्शन कार्यशाला-2015	17-19 अप्रैल, 2015 पुणे	**विंग कमाण्डर रेणु राजगुरू** आर्म्ड फोर्सेज़ मेडिकल कॉलेज पुणे

ICMR द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन पर कार्यशाला	20 अप्रैल, 2015 टाण्डा (हि.प्र.)	**डॉ ए.के. भारद्वाज** डॉ आर.पी.गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज टाण्डा (हि.प्र.)
हीमोडायलिसिस पर वृक्कीय रोगियों के पुनर्वास तथा उनके वर्तमान, भावी परिप्रेक्ष्य पर सेमिनार	22 अप्रैल, 2015 चित्तूर	**श्रीमती वी. सुजाता नायडू** श्री वेंकटेश्वरा कॉलेज ऑफ नर्सिंग चित्तूर
औषध विकास में ट्रांसलेशनल क्लीनिकल फार्मेकोलॉजी अनुसंधान पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	23-25 अप्रैल, 2015 मुम्बई	**डॉ. नीलिमा क्षीरसागर** राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान मुम्बई
सामान्य चिकित्सकों के लिए नेत्ररोगविज्ञान अपडेट पर सेमिनार	26 अप्रैल, 2015 कोज़ीकोड	**डॉ शिशिर शिवन एन.वी.** पुतालत नेत्र चिकित्सालय पुथियारा कोज़ीकोड
निम्न ताप विज्ञान तथा जैवप्रौद्योगिकीय प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	27-30 अप्रैल, 2015 नई दिल्ली	**डॉ के.सी. बंसल** राष्ट्रीय पादप आनुवंशिकी संसाधन ब्यूरो नई दिल्ली
अस्पताल और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रबंधन, मेडिको लीगल प्रणालियां और क्लीनिकल शोध पर 17वां राष्ट्रीय सेमिनार	1-2 मई, 2015 पुणे	**डॉ अलका चण्डक** सिम्बियोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज़ पुणे
भ्रूणीय चिकित्साविज्ञान में नैदानिक एवं चिकित्सीय प्रक्रियाएं : एक लाइव एवं वीडियो कार्यशाला तथा 11वां ISUOG अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	1-3 मई, 2015 नई दिल्ली	**डॉ वत्सला दधवाल** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
आयुर्वेद में फार्मेकोविजिलेंस पर सेमिनार	8-9 मई, 2015 बैंगलोर	**श्रीमती अंबुजाक्षी** आचार्य एवं बी.एम.रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मेसी बैंगलोर
कॉम्पलेक्स स्पाइनल ट्रामा के चिकित्सा - प्रबंध पर 5वीं ऑपरेटिव कार्यशाला और संगोष्ठी	9-10 मई, 2015 नई दिल्ली	**डॉ दीपक अग्रवाल** JANATC अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान नई दिल्ली
एथिक्स और अनुसंधान पर गहन ग्रीष्मकालीन कार्यशाला (I-SWEAR)	11-15 मई, 2015 मैंगलोर	**डॉ वीणा वासवानी** येनपोया मेडिकल कॉलेज येनपोया विश्वविद्यालय मैंगलोर
स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु खाद्य और पोषण में उभरती प्रौद्योगिकियों पर 6th अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	14-15 मई, 2015 सलेम	**डॉ पी. नाज़मी** पेरियार विश्वविद्यालय सलेम (तमिलनाडु)

मणिपुर की जनजातीय आबादी में मौलिक स्वास्थ्य सुरक्षा और निवारक उपायों पर प्रशिक्षण कार्यशाला	14-16 मई, 2015 उखरुल (मणिपुर)	**सुश्री मिंग्याओफी टुइखर** अरडेंट फाउण्डेशनः सर्विस इन एलीजिएंस उखरुल मणिपुर
ICMR-PGI शीत एवं ग्रीष्म माइकोलॉजी कार्यशाला 2015	18-23 मई, 2015 चण्डीगढ़	**डॉ अरुण आलोक चक्रवर्ती** स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़
मधुमेह में नवीन दिशाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2015	20-21 मई, 2015 बेलगांव	**डॉ एम.वी. जाली** KL ES, डॉ प्रभाकर कोरे अस्पताल एवं आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र बेलगांव
भारतः नवाचार सृजनात्मक और इनक्लूज़िव पर ASSOCHAM सम्मेलन	21 मई, 2015 नई दिल्ली	**डॉ श्रुति जैन** ASSOCHAM नई दिल्ली
गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर साइंस में ताजा प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICRAMSCS)	29-31 मई, 2015 पटना	**प्रो. अरुण कुमार सिन्हा** सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार बी.वी. कॉलेज पटना
लसीका फाइलेरिया रोग (LF): एलीमिनेशन 2015-लक्ष्य संभव पर तृतीय राष्ट्रीय सम्मेलन	5-6 जून, 2015 मदुरई	**डॉ बी.के. त्यागी** आयुर्विज्ञान कीटविज्ञानी अनुसंधान केन्द्र मदुरई
पूर्ण नवाचार प्रबंधन-प्रतिस्पर्धात्मक सफलता हेतु एक प्रयास पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन	11-12 जून, 2015 चेन्नई	**डॉ लता वेंकटेशन** अपोलो कॉलेज ऑफ नर्सिंग आयनम्बकम चेन्नई
औषधीय पादपों और उनके उत्पादों के मानकीकरण में चुनौतियों पर सेमिनार	12-13 जून, 2015 सलेम	**डॉ बी. जयकुमार** विनायक मिशन कॉलेज ऑफ सलेम
स्वास्थ्य सुरक्षा प्रौद्योगिकियों में किफायती हलों पर सम्मेलन	22 जून 2015, चेन्नई	**श्री शुभजीत साहा** तमिलनाडु टेक्नोलॉजी विकास एवं प्रोत्साहन केन्द्र चेन्नई
बाल ESRD और ट्रांसप्लांटेशन : निरंतर सुरक्षा पर राष्ट्रीय बैठक	26-27 जून, 2015 बेंगलूरु	**डॉ निवेदिता कामथ** सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल बेंगलूरु
स्टेक होल्डर्स कार्यशाला	27-28 जून, 2015 जोधपुर	**डॉ के.वी. सिंह** क्षेत्रीय मरुस्थलीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र जोधपुर

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के कुछ प्रकाशन

क्र. सं.	प्रकाशन	मूल्य (₹)
1.	**न्युट्रीटिव वैल्यू ऑफ इंडियन फूड्स(1985)** लेखक : सी. गोपालन, बी.वी. रामशास्त्री एवं एस.सी. बालसुब्रमणियन; बी.एस. नरसिंग राव, वाई.जी. देवस्थले एवं के.सी. पन्त द्वारा संशोधित एवं अपडेटेड (1989) पुनर्मुद्रण - (2007, 2011)	60.00
2.	**लो कॉस्ट न्युट्रीशियस सप्लीमेंट्स** लेखक : सी. गोपालन, बी.वी. रामशास्त्री, एस.सी. बालसुब्रामणियन, एम.सी. स्वामीनाथन (द्वितीय संस्करण 1975, पुनर्मुद्रण - 2005-2011)	15.00
3.	**मेन्यूस फॉर लो कॉस्ट बैलेन्स्ड डाइट्स ऐण्ड स्कूल लंच प्रोग्रेम्स (सुटेबल फॉर नार्थ इंडिया)** लेखक : एस.जी. श्रीकंटिया, सी.जी. पंडित (द्वितीय संस्करण 1977, पुनर्मुद्रण 2004)	10.00
4.	**मेन्यूस फॉर लो कॉस्ट बैलेन्स्ड डाइट्स ऐण्ड स्कूल लंच प्रोग्रेम्स (सुटेबल फॉर साउथ इंडिया)** लेखक : एम.मोहन राम, सी. गोपालन (चतुर्थ संस्करण 1996, पुनर्मुद्रण 2002)	8.00
5.	**सम कॉमन इंडियन रेसिपीज़ ऐण्ड देयर न्युट्रीटिव वैल्यू** लेखक : स्वर्ण पसरीचा एवं एल.एम.रिबेलो (चतुर्थ संस्करण 1977, पुनर्मुद्रण 2006, 2011)	50.00
6.	**न्युट्रीशन फॉर मदर ऐण्ड चाइल्ड** लेखक : पी.एस. वेंकटाचलम् तथा एल.एम.रिबेलो (पंचम संस्करण 2002, पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	35.00
7.	**सम थिरैप्यूटिक डाइट्स** लेखक : स्वर्ण पसरीचा (पंचम संस्करण 1996,पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	15.00
8.	**न्युट्रिएन्ट रिक्वायरमेण्ट्स ऐण्ड रिकमेंडेड डाइटरी अलाउंसेज़ फॉर इंडियंस** लेखक : बी.एस. नरसिंगा राव, बी. शिवकुमार (प्रथम संस्करण 1990, पुनर्मुद्रण 2008)	85.00
9.	**फ्रूट्स** लेखक : इंदिरा गोपालन तथा एम. मोहन राम (द्वितीय संस्करण 1996, पुनर्मुद्रण 2004, 2011)	35.00
10.	**काउंट व्हाट यू ईट** लेखक : स्वर्ण पसरीचा (1989, पुनर्मुद्रण 2000)	25.00
11.	**डाइट ऐण्ड डायबिटीज़** लेखक : टी.सी.रघुराम, स्वर्ण पसरीचा तथा आर.डी.शर्मा (तृतीय संस्करण 2012)	50.00

क्र. सं.	प्रकाशन	मूल्य (₹)
12.	**डाइट ऐण्ड हार्ट डिसीज़** लेखक : गफूरुन्निसा तथा कमला कृष्णस्वामी (प्रथम संस्करण 1994, पुनर्मुद्रण 2004)	30.00
13.	**डाइटरी टिप्स फॉर दि एल्डरली** लेखक : स्वर्ण पसरीचा तथा बी.वी.एस.थिमायम्मा (प्रथम संस्करण 1992, पुनर्मुद्रण 2005, 2010)	15.00
14.	**डाइटरी गाइडलाइन्स फॉर इंडियंस-ए मैनुअल** लेखक : कमला कृष्णास्वामी, बी. सेसीकरण (द्वितीय संस्करण 2011)	110.00
15.	**डाइटरी गाइडलाइन्स फॉर इंडियंस** लेखक : कमला कृष्णास्वामी, बी. सेसीकरण (प्रथम संस्करण 1998, पुनर्मुद्रण 1999, 2009	15.00
16.	**ए मैनुअल ऑफ लेबोरेटरी टेकनीक्स** लेखक : एन. रघुरामुलु, के.माधवन नायर तथा एस.कल्याणसुन्दरम् (द्वितीय संस्करण, 2003)	110.00
17.	**फल** राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित 'फ्रूट्स' का हिन्दी रूपान्तरण अनुवाद : अंजू शर्मा एवं कृष्णानन्द पाण्डेय (प्रथम संस्करण 1997, पुनर्मुद्रण, 2001, 2012)	25.00
18.	**भारतीयों के लिए आहार संबंधी मार्गदर्शिका** (प्रथम संस्करण 1998, पुनर्मुद्रण 1999, 2001, 2012)	10.00
19.	**अपने आहार को जानें** राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित 'काउंट ह्वाट यू ईट' का हिन्दी रूपान्तरण अनुवाद : कृष्णानन्द पाण्डेय (प्रथम संस्करण 1997, पुनर्मुद्रण 2012)	35.00
20.	**आहार और हृदय रोग** राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद द्वारा प्रकाशित 'डाइट ऐण्ड हार्ट डिज़ीज़' का हिन्दी रूपान्तरण अनुवाद : कृष्णानन्द पाण्डेय (2014)	35.00

उपरोक्त प्रकाशन प्राप्त करने के लिए महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के नाम से डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा चेक भेजें। बैंक कमीशन तथा डाक व्यय अलग होगा। मनीऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस संबंध में और अधिक जानकारी के लिए प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, पोस्ट बॉक्स 4911, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029 से सम्पर्क करें।
दूरभाष : 91-11-26588895, 91-11-26588980, 91-11-26589794, 91-11-26589336, 91-11-26588707, (एक्स्टेंशन-228)
फैक्स : 91-11-26588662, ई-मेल : headquarters@icmr.org.in, icmrhqds@sansad.nic.in
सम्पर्क व्यक्ति : डॉ रजनी कान्त, वैज्ञानिक 'ई'
ई- मेल : kantr 2001@yahoo.co.in

सहयोग : श्रीमती वीना जुनेजा, श्रीमती सरिता नेगी

आई सी एम आर पत्रिका भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद की वेबसाइट www.icmr.nic.in पर भी उपलब्ध है

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के लिए मैसर्स रॉयल ऑफसेट प्रिन्टर्स,
ए–89/1, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 028 से मुद्रित। पं. सं. 47196/87